रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 29 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 297 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सेन्यार के बाद चक्रवात 'दितवाह' बरपाएगा कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेन्यार का असर अभी खत्म नहीं हुआ कि एक और चक्रवाती तूफान दितवाह की वजह से मौसम ने दक्षिण भारत में कहर ढाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में नए तूफान का अलर्ट जारी किया है। दोनों ही तूफानों का असर भारत में देखा जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दितवाह तूफान दक्षिण भारत के राज्यों में तबाही मचाने वाला है। इन तूफानों की वजह से पहले से ही तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश का मौसम बिगड़ा हुआ है। आईएमडी ने बताया कि गुरुवार कोही बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका है। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान दितवाह काफी तबाही मचा सकता है। ऐसे में प्री साइक्लोन अलर्ट जारी कर दिया गया है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल के तटों पर इसका असर ज्यादा देखा जाएगा। ऐसे में मछुआरों को समंदर में ना उतरने की सलाह दी गई है। चक्रवाद दितवाह की वजह से दक्षिण के पांच राज्यों में मध्य से भारी बारिश होनें की संभावना है।

- **देश के 5 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी**

यूपी के सहारनपुर में भीषण सड़क हादसा

- बजरी भरा डंपर कार पर पलटा,7 की मौत
- सहारनपुर में गाड़ी पिचककर 2 फीट रह गई

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में शुक्रवार को डंपर बेकाबू होकर कार पर पलट गया। हादसे में 4 साल के बच्चे समेत 7 लोगों की मौत हो गई। डंपर में बजरी भरी हुई थी। रफ्तार तेज होने की वजह से डंपर बेकाबू हो गया और बगल में चल रही कार पर पलट गया। डंपर पर लदी बजरी भी कार पर गिर गई। पूरी कार डंपर और बजरी के नीचे दब गई। 5 फीट की कार 2 फीट की बची। डंपर को 3 क्रेन की मदद से किनारे किया गया। जबकि, बजरी हटाने में लोगों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। तब तक कार सवार तड़पते रहे। बाद में कार की छत काटकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि परिवार अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सैयद माजरा गांव से गंगोह जा रहा था। कार में एक ही परिवार के सात लोग सवार थे। गांव से एक किमी दूर हाईवे पर हादसा हो गया।

रायसेन में बच्ची से रेप के आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर

कस्टडी से भागने की कोशिश कर रहा था,पुलिस ने पैर में गोली मारी,अस्पताल में भर्ती

भोपाल। मध्य प्रदेश के रायसेन में 6 साल की बच्ची से रेप करने का आरोपी सलमान गुरुवार देर रात शॉर्ट एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस जब उसे गौहरगंज ले जा रही थी, तभी उसने भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस को उसे पैर में गोली मारना पड़ी। आरोपी का भोपाल के हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर है। सलमान पर आरोप है कि 21 नवंबर को वह बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर जंगल में ले गया। वहां उसके साथ रेप कर फरार हो गया। इलाके में तब से ही घटना के विरोध में धरना-प्रदर्शन चल रहा था। लोग आरोपी के एनकाउंटर की मांग कर रहे हैं।

सलमान, आरोपी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मुताबिक,रायसेन जिले के गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी सलमान को गुरुवार रात भोपाल से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद जब उसे गौहरगंज ले जाया जा रहा था, तब पुलिस की गाड़ी औबेदुल्लागंज क्षेत्र के जंगल में पंक्चर हो गई। खरपुसे ने बताया, घटना रात करीब 3-4 बजे के बीच की है। आरोपी को गाड़ी में लेकर जा रहे थे। रास्ते में कील के कारण गाड़ी पंक्चर हो गई। बैकअप में एक और गाड़ी थी। उसे दूसरी गाड़ी में शिफ्ट करना था।

- **6 दिन बाद भोपाल से पकड़ा गया आरोपी**- पुलिस ने घटना के 6 दिन बाद गुरुवार रात आरोपी सलमान को गांधी नगर इलाके में एक चाय की दुकान से हिरासत में लिया। इसके बाद उसे गौहरगंज पुलिस के हवाले किया गया। गौहरगंज पुलिस उसे लेकर रात में ही रवाना हो गई थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जंगलों के रास्ते पैदल ही भोपाल में दाखिल हुआ था और गांधीनगर इलाके में छिपा हुआ था। सलमान के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही जय मां भवानी हिंदू संगठन के कार्यकर्ता थाने पहुंचे थे, लेकिन उससे पहले ही आरोपी को गौहरगंज पुलिस को सौंपा जा चुका था।
- **अब्दुल, रिजवान और आसिफ की मदद से पकड़ाया आरोपी**-समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, आरोपी को पकड़वाने में नई बस्ती में रहने वाले अब्दुल, रिजवान और आसिफ नाम के युवकों की अहम भूमिका थी। अब्दुल के मुताबिक, हम लोग बस स्टैंड पर थे। आसिफ भाई का फोन आया कि एक व्यक्ति किराए से कमरा मांग रहा है। उसने फोटो भेजा। मैं सोशल मीडिया पर ऐक्टिव हूं। मुझे ये रायसेन के आरोपी जैसा लगा। मैंने आसिफ से कहा-इसे रोक कर रखो। हम लोग आ रहे हैं। हमारे रिजवान भाई ने राहुल भाई गुरुजी पुलिस वाले हैं। उन्हें फोटो सेंड किया तब पकड़ाया।

भाषा और संस्कृति एक-दूसरे के हैं पूरक: सीएम

- डॉक्टर यादव बोले-हिन्दी लोकभाषा हमारे माथे की है बिन्दी
- सीएम बोले-हमने सदैव अधिसत्ता नहीं,प्रभुसत्ता की भावना रखी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाषा और संस्कृति एक-दूसरे की सहज पूरक हैं। संस्कृति, भाषा को वह कथा-बीज देती है, जिनसे लोक-साहित्य से लेकर वैश्विक साहित्य जन्म लेता है और भाषा, संस्कृति को वह अभिव्यक्ति देती है, जिससे परंपराएं पीढ़ियों तक सुरक्षित यात्रा कर पाती हैं। भाषा और संस्कृति दोनों एक-दूसरे की संरक्षक भी हैं। साहित्य का एक ही रंग होता है, राग और आनंद का। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हिन्दी भाषा सच्चे अर्थों में लोक भाषा है। हिन्दी हमारे माथे की बिन्दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज हमारी हिन्दी वैश्विक मंच पर भारत की पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने अधिसत्ता नहीं, सदैव प्रभुसत्ता और लोक बन्धुत्व की भावना रखी। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की पवित्र भावना से ओत-प्रोत है। यही कारण है कि आज भारतीय संस्कृति दुनियाभर में अपनी अलग पहचान रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में साहित्य और कला के सबसे बड़े उत्सव 'विश्वरंग-2025 टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव में देश-विदेश से आए साहित्यकारों, कलाकारों और युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी का मध्यप्रदेश की धरती पर स्वागत-अभिनंदन

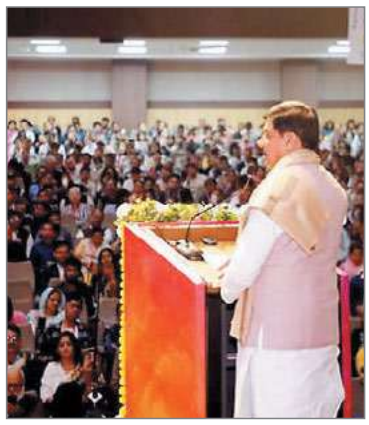

किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सृजनात्मक और कलात्मक धरती हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति को जोड़ने वाली सेतु बन गई है। हमारा भोपाल अब भारतीय संस्कृति, भारतीय भाषा चेतना और वैश्विक साहित्यिक संवाद का केन्द्र बन गया है। महोत्सव में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में कई सत्र, कविता पाठ, पैनल चर्चा, कला प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वरंग का कैटलॉग, हिन्दी भाषा की मार्गदर्शिका एवं पुस्तकें भेंट की गईं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साहित्य सच्चे अर्थों में एक दीर्घ साधना है और साहित्यकार एक प्रयोगधर्मी साधक है। साहित्यकार अपनी कल्पनाशीलता, चिंतन और रचनात्मकता से ऐसे शब्द गढ़ता है, जो कालांतर में अमर हो जाते हैं। उन्होंने साहित्य और कला को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि विश्वरंग जैसे आयोजन नई पीढ़ी में सृजनशीलता और संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर की विचारधारा और उनकी वैश्विक दृष्टि आज भी दुनिया भर में संवाद, सौहार्द्र और मानवता का संदेश देती है। यह संस्कृति को जोड़ने का माध्यम है।

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की पहल रंग लाई

देशभर के अधिस्वीकृत पत्रकारों को पुनः मिलेगा रेलवे कंसेशन 27 दिसंबर को आयोजित होगा "आभार सम्मेलन": डॉ नवीन आनंद जोशी

»» "सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
»» मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
»» मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
»» हो कहीं भी आग, लेकिन जलनी चाहिए।"

भोपाल। देश के पत्रकार समुदाय के लिए यह अत्यंत हर्ष और राहत का विषय है कि लंबे समय से बंद पड़ी रेलवे कंसेशन सुविधा अब पुनः बहाल होने जा रही है। यह उपलब्धि पत्रकारों के अधिकारों और उनके पेशेगत दायित्वों के प्रति समर्पित संगठनों के निरंतर संघर्ष और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (बीएसपीएस) के महासचिव तथा मध्यप्रदेश प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी, और बीएसपीएस की मध्यप्रदेश इकाई—जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ़ मध्यप्रदेश (जंप) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण सक्सेना* ने बताया कि पत्रकारों को रेलवे कंसेशन पुनः उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने सिद्धांततः स्वीकृति प्रदान कर दी है। जल्द ही यह सुविधा औपचारिक रूप से बहाल कर दी जाएगी। नेताद्वय के अनुसार, गत वर्ष दिल्ली के जंतर मंतर पर देशभर से जुटे श्रमजीवी पत्रकारों ने एक ऐतिहासिक धरना-प्रदर्शन के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मांगें सरकार के समक्ष रखी थीं

»» पत्रकार सुरक्षा कानून,
»» पत्रकारों हेतु पूर्ण स्वास्थ्य बीमा योजना,
»» अधिस्वीकृत पत्रकारों को रेलवे कंसेशन,
»» तथा देशभर में टोल शुल्क से छूट।

इन मांगों में से रेलवे कंसेशन की मांग को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लेते हुए स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत ज्ञापन पर सकारात्मक विचार करते हुए प्रधानमंत्री व रेल मंत्री दोनों ने पत्रकारों के लिए यात्रा सुविधा की आवश्यकताओं को समझते हुए इसे आगामी बजट सत्र से लागू करने की सहमति व्यक्त की है। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक पांडे, संघ के संस्थापक शहनवाज़ हसन, संगठन मंत्री गिरिधर शर्मा, तथा देशभर की सक्रिय इकाइयों ने इस आंदोलन को एक राष्ट्रीय स्वरूप देकर सरकार को पत्रकारों की वास्तविक जरूरतों पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य किया। पत्रकारों का यह प्रदर्शन पत्रकारिता जगत में ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित हुआ। रेलवे विभाग के सूत्रों के अनुसार, अधिस्वीकृत पत्रकारों को पहले की ही भांति निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत रेलवे कंसेशन उपलब्ध कराया जाएगा। जंप के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण सक्सेना ने इस ऐतिहासिक सफलता पर सभी पत्रकार साथियों को बधाई देते हुए घोषणा की कि आगामी 27 दिसंबर को एक भव्य "आभार सम्मेलन" आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में देशभर के पत्रकार साथी एकजुट होकर भारत के माननीय प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार व्यक्त करेंगे।

लोकायुक्त विभाग की सक्रियता के बीच जिला अभियोजन अधिकारी आशीष जी खरे से रणजीत टाइम्स के सह-संपादक आदित्य शर्मा की महत्वपूर्ण मुलाकात

इंदौर। भ्रष्टाचार पर सख्ती और पारदर्शिता को मज़बूती देने में अग्रणी लोकायुक्त विभाग के जिला अभियोजन अधिकारी श्री आशीष जी खरे से रणजीत टाइम्स के सह-संपादक आदित्य शर्मा ने विशेष शिष्टाचार भेंट की।

यह मुलाकात इसलिए खास मानी जा रही है क्योंकि यह सीधे तौर पर लोकायुक्त विभाग की कार्यशैली, जांच व्यवस्था और जनहित में उठाए जा रहे कड़े कदमों पर केंद्रित रही। बैठक के दौरान आदित्य शर्मा ने लोकायुक्त विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियानों, मामलों की निष्पक्ष कार्रवाई, तथा प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर विस्तृत चर्चा की। श्री खरे ने स्पष्ट कहा कि लोकायुक्त विभाग का प्रत्येक कदम भ्रष्टाचार-विरोधी संकल्प और शून्य-सहनशीलता नीति पर आधारित है। इस अवसर पर आदित्य शर्मा ने सम्मान स्वरूप देवी अहिल्या माता की भव्य फोटो-फ्रेम भेंट की। श्री खरे ने इसे प्रेरणा और सद्भाव का प्रतीक बताते हुए धन्यवाद व्यक्त किया तथा कहा कि लोकायुक्त विभाग और मीडिया का पारदर्शी संवाद, जनहित में निर्णायक भूमिक निभाता है। मुलाकात सम्मान, जागरूकता और लोकायुक्त विभाग की मजबूत भूमिका पर केंद्रित एक प्रभावशाली क्षण साबित हुई।

सहजयोग बालकों व किशोरों को नकारात्मकता व दुर्व्यसनों से दूर रखता है

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी के अनुसार, सहज योग मात्र वयस्कों या अभिभावकों के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है अपितु बच्चों में भी सहयोग का विकास किया जाना चाहिए । अधिकांशतः सब यह सोचते हैं कि कुंडलिनी जागरण या आत्मा का योग होने के कारण इसका अभ्यास वयस्कों को करना चाहिए, परंतु श्री माताजी ने अनेक अवसरों पर अपने अमृत वचनों में स्पष्ट रूप से वर्णन किया है कि बच्चे स्वयं श्री गणेश का अंश होते हैं, उनमें अबोधिता तथा पवित्रता जैसे गुण अंतर्जात ही होते हैं तथा बच्चे अनेक प्रकार की नकारात्मकताओं से स्वयं ही दूर होते हैं। यदि बालपन से उन्हें सहजयोग में उतारा जाए तो वह अल्प समय में ही सहज में प्रतिस्थापित हो जाते हैं ।जैसे - जैसे उम्र का विकास होता है मनुष्य के अंदर से अनेक गुणों का ह्रास होता जाता है परंतु यदि बालपन से ही बच्चे सहज जीवन का अंग होते हैं, तो उनमें विवेकशीलता, बुद्धिमत्ता तथा अनुशासन सदैव बना रहता है। श्री माताजी के अनुसार, बच्चों की शिक्षा का अभिभावकों को

विशेष ध्यान रखना चाहिए तथा उन्हें उनकी रुचि अनुसार विद्या अध्ययन का अवसर प्रदान करना चाहिए। सहजयोग विद्यार्थियों में एकाग्रता स्थापित करने में अत्यंत मददगार होता है साथ ही समाज में व्याप्त अनेक बुराइयों व नकारात्मक चीजों से सहजयोगी बालक सदैव संरक्षित रहता है। अनेक ऐसे उदाहरण हैं जिसमें आत्म साक्षात्कारी सहज योगी बालकों ने अपने मनचाहे क्षेत्र में उच्च सफलताएं अर्जित कर अपना कैरियर बनाया है । मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज का निर्माण करने में सक्षम हो सकते हैं अतः व्यक्ति में सहज योग की प्रतिष्ठा बचपन में ही की जानी चाहिए ताकि वे श्री माता जी की कृपा से समाज के जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभा सकें तथा धर्म की स्थापना में सहायक हों। पूर्णतः निःशुल्क सहजयोग के अनगिनत लाभों से लाभान्वित होने हेतु जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 तथा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

इंदौर आरटीओ कांड: पत्रकारों पर जानलेवा हमले से मचा सियासी भूचाल

इंदौर प्रेस क्लब का थाने में घेराव; अब तक 7 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

कांग्रेस ने सरकार को घेरा—मध्यप्रदेश में दलाली, भ्रष्टाचार और गुंडाराज बेकाबू

इंदौर। इंदौर आरटीओ कार्यालय में वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा और कैमरामैन राजा खान पर हुए जानलेवा हमले ने पूरे प्रदेश में तीखी प्रतिक्रियाएँ पैदा कर दी हैं। पत्रकारों को कथित तौर पर बंधक बनाकर मारपीट, कैमरे तोड़ने और स्टिंग ऑपरेशन के दौरान जुटाए गए साक्ष्य नष्ट करने की कोशिश ने पूरे मीडिया जगत को हिलाकर रख दिया है।

मामले में 7 आरोपियों पर एफआईआर- घटना की जानकारी मिलते ही इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम समेत बड़ी संख्या में पत्रकार तेजाजी नगर थाने पहुँचे और थाने का घेराव किया। प्रेस क्लब ने साफ कहा कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई के बिना वे थाने से नहीं हटेंगे। लगातार दबाव और पत्रकारों की मुहिम के बाद पुलिस ने 7 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। प्रेस क्लब ने इसे फील्ड पत्रकारों की एकजुटता और संघर्ष का परिणाम बताया है।

हमले का घटनाक्रम- सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा और कैमरामैन राजा खान आरटीओ में चल रही अनियमितताओं का स्टिंग ऑपरेशन करने पहुँचे थे। इसी दौरान परिसर में

मौजूद दलालों, कर्मचारियों और कथित गुंडों ने मिलकर दोनों पर हमला कर दिया। हेमंत शर्मा को गंभीर चोटें आने पर उन्हें तुरंत जुपिटर हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया।

कांग्रेस का हमला—यह लोकतंत्र पर सीधा प्रहार- घटना को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में सच दिखाना अब अपराध बन गया है। कांग्रेस ने आरटीओ में फैली दलाली और भ्रष्टाचार को सरकार द्वारा संरक्षण देने का आरोप लगाया। उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत सत्यदेव कटारे ने कहा कि यह हमला न केवल मीडिया, बल्कि लोकतंत्र पर हमला है और यह बताता है कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

पत्रकार सुरक्षित नहीं तो देश सुरक्षित नहींङ्क इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम- देशभर के पत्रकारों की उपस्थिति में हुई विशेष बैठक में प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने कहा कि पत्रकार समाज का अंतिम प्रहरी हैं और आज वे ही सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा अगर पत्रकार सुरक्षित नहीं है, तो देश भी सुरक्षित नहीं है।कर्दम ने केंद्र और राज्य सरकारों से पत्रकार सुरक्षा कानून तुरंत लागू करने की मांग की और कहा कि जब तक यह कानून लागू नहीं होता, तब तक पत्रकार अपनी आवाज और तेज करेंगे।

एमपी में वक्फ की 10 फीसदी संपत्तियां अभी 'अनरिकार्ड'

नहीं हुआ है रजिस्ट्रेशन, पोर्टल की खामियों से रफ्तार धीमी

भोपाल। मध्य प्रदेश में पिछले छह महीनों में 15,000 से अधिक वक्फ संपत्तियों में से दस प्रतिशत का भी पंजीकरण केंद्रीय वक्फ पोर्टल पर नहीं हो पाया है। राज्य और वक्फ के शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के लिए 6 दिसंबर तक अपनी वक्फ संपत्तियों को इस पोर्टल पर पंजीकृत करने की समय सीमा तय की थी। सरकारी अधिकारियों ने पोर्टल पर सभी जानकारी भरने और वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने में तकनीकी बाधाओं और रिकॉर्ड की अनुपलब्धता को इसका कारण बताया है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार 6 दिसंबर की समय सीमा को आगे बढ़ाएगी। केंद्र सरकार ने 6 जून को एक नया केंद्रीय वक्फ पोर्टल लॉन्च किया था। वक्फ बोर्ड के अनुसार, राज्य में 15,000 से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जिनमें से केवल 1,200 संपत्तियों को ही अब तक केंद्रीय पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है, जो दस प्रतिशत

से भी कम है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जून में बताया था कि भारत में 9 लाख से अधिक सूचीबद्ध वक्फ संपत्तियां हैं। समय-सीमा का सख्ती से पालन करना होगा।

4 दिसंबर को भारत आएंगे रूस के राष्ट्रपति पुतिन

- *रूस और यूक्रेन जंग के बाद पहली बार आ रहे भारत*
- *रूसी तेल और एस-400 मिसाइल पर होगी बातचीत*

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को 2 दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे। 2022 में यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। पुतिन 23वीं भारत-रूस समिट में भाग लेंगे। ये भारत और रूस के बीच होने वाली सालाना बैठक का हिस्सा है। हर साल दोनों देश बारी-बारी से इस बैठक की मेजबानी करते हैं। इस बार भारत की बारी है। समिट के दौरान पुतिन पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेता क्रूड ऑयल डील के साथ एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीद और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बात कर सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पुतिन के

सम्मान में स्टेट डिनर देंगी। रूसी तेल खरीद की वजह से अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगा रखा है।

- **डिफेंस समझौते पर सबसे ज्यादा फोकस रहेगा-** पुतिन की इस यात्रा में सबसे ज्यादा फोकस डिफेंस समझौते पर रहेगा। रूस पहले ही कह चुका है कि वो भारत को अपना एसयू-57 स्टेल्थ फाइटर जेट देने के लिए तैयार है। यह रूस का सबसे एडवांस लड़ाकू विमान है। भारत पहले ही अपने वायुसेना बेड़े को मजबूत करने के लिए नए विकल्प तलाश रहा है। इसके अलावा भविष्य में एस-500 पर सहयोग, ब्रह्मोस मिसाइल का अगला वर्जन और दोनों देशों की नौसेनाओं के लिए मिलकर वॉरशिप बनाने जैसी योजनाओं पर बातचीत होने की उम्मीद है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भारत रूस से कुछ और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने पर बातचीत हो सकती है। क्योंकि यह पाकिस्तान के खिलाफ हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान काफी प्रभावी रहे थे।

आबकारी:इंदौर की कार्यवाही

कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आज दिनांक 28/11/2025 को वृत्त बालदा कॉलोनी ओर बॉम्बे बाजार के सहायक जिला आबकारी अधिकारी जहांगीर खान ,धर्मेंद्र जोशी एवं वृत प्रभारी मीरा सिंह की टीम के द्वारा शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।

आज की कार्यवाही में

मुखबिर की सूचना पर बुद्धनगर में दबिश दी गई जिसमें कृष्णा पिता देवीसिंह यादव उम्र 24 वर्ष निवासी मुशाखेड़ी को शराब बेचते हुए पकड़ लिया गया आरोपी के कब्जे से 75पाव देशी मदिरा मसाला और तलाशी लेने पर एक दो पहिया वाहन एमपी09 AT3387 YAMAHA , स्कूटी में कुल 35 पाव देशी मदिरा मसाला बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपी कृष्णा के अनुशार कहा गया कि ये मदिरा बंटी पिता पप्पू ठाकुर उम्र 37 वर्ष निवासी 63B बुद्धनगर थाना राजेंद्र इंदौर की है, मैं बंटी के साथ मिलकर बिक्री करता हूं।इस मामले में फरार आरोपी बंटी की तलाश की जा रही है।आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इसके अलावा केसरबाग में एक पेटी अवैध देशी मसाला शराब लावारिस हालत में जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया तो वहीं अहिरखेडी में छापा मारकर एक पेटी देशी प्लेन और एक पेटी देशी मसाला शराब जब्त की गई मगर आरोपी फरार हो गया, जिसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। कीमत 137,385रुपए रही।

सराहनीय भूमिका

आज की कार्यवाही में बालदा कालोनीओर बॉम्बे बाजार वृत्त प्रभारी मीरा सिंह, आबकारी आरक्षक मनोज खरे , मोहित रायकवार ,बब्लू सिसोदिया,कोमल कनेल, एलेन बघेल,मोहित कछवाय और ड्राइवर रीतेश का सराहनीय योगदान रहा।

वो स्वयंसेवक जो बैन के खिलाफ सीधे-सीधे पटेल से उलझ गया

संघ और सरदार पटेल के बीच रिश्तों को लेकर काफी कुछ लिखा पढ़ा गया है. तमाम निष्कर्षों के बाद कुछ लोग यह भी मानते हैं कि सरदार पटेल संघ के उस वक्त के अधिकारियों के लिए घर के बुजुर्ग जैसे थे. जो कभी मदद करते थे तो, कभी डांट भी सुनाया करते थे. एक बार की बात जब गोलवलकर जेल में थे तो पटेल 10 मिनट तक लगातार संघ की कमियों को लेकर बोलते रहे. फिर बारी आई एकनाथ रानडे की. RSS के 100 सालों के सफर की 100 कहानियों की कड़ी में आज पेश है उसी घटना का वर्णन. सरदार वल्लभ भाई पटेल का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अलग सा रिश्ता था. जहां संघ के स्वयंसेवक उनका इतना सम्मान करते हैं कि एक स्वयंसेवक ने उनके सम्मान में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बना दी, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस इस बात पर जोर देती आई है कि संघ से सरदार पटेल इतने नाराज थे कि उस पर प्रतिबंध लगा दिया था. हालांकि मानने वाले मानते हैं कि सरदार पटेल संघ के उस वक्त के अधिकारियों के लिए घर के बुजुर्ग जैसे थे, जो उनकी परेशानी समझकर सहायता भी करते थे, तो कभी कभी डांट भी देते थे. इसके बावजूद एक स्वयंसेवक ऐसा भी था, जिसने मुद्दे की बात पर सरदार पटेल से सीधी बहस की. ये महाशय थे एकनाथ रानडे, आज उन्हें कन्याकुमारी में स्वामी विवेकानंद के शिला स्मारक के शिल्पी के तौर पर ज्यादा जाना जाता है रानडे की सरदार पटेल से तब मुलाकात हुई जब संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, गुरु गोलवलकर जेल में थे. दरअसल उन दिनों एकनाथ को भी नागपुर से दिल्ली भेजा गया था, ताकि मध्यस्थों को कुछ सहायता की जरूरत हो तो वो उसे कर सकें. साथ ही उन्हें अपने स्तर पर अलग से भी प्रयास करने थे. उनकी सरदार पटेल से पहली मुलाकात दिल्ली की बजाय मसूरी में हुई. पटेल तब मसूरी के बिरला हाउस में रुके थे, सो बैठक में जीडी बिरला खुद भी उपस्थित थे. एकनाथ रानडे ने महसूस किया कि प्रतिबंध के चलते संघ के अधिकारी, स्वयंसेवक जो परेशानियां झेल रहे थे, सरकार पटेल उसको सुनने के बजाय आक्रामक मूड में थे. और सरदार बस सुनते रहे पूरे 10 मिनट तक सरदार पटेल बिना रुके बोलते रहे और संघ की कमियां निकालते रहे, संघ के स्वयंसेवकों द्वारा हिंसक कृत्य करने का दावा करते रहे. वह लगातार बोलते रहे और सम्मान के साथ एकनाथ रानडे सुनते रहे, बीच में एक बार भी टोका नहीं. जब वह चुप हो गए तो एकनाथ ने उन्हें पूछा कि, क्या वाकई में उन सब आरोपों पर विश्वास करते हैं, जो उन्होंने अभी लगाए हैं? उन्होंने ये भी पूछा कि क्या वो सच में मानते हैं कि महात्मा गांधी की हत्या में RSS का जरा सा भी हाथ है? तब सरदार पटेल ने जवाब में कहा कि नहीं.. लेकिन संघ एक मनोवैज्ञानिक वातावरण उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार है, जिसमें कि ये हिंसा होनी सम्भव हो गई. तब एकनाथ रानडे ने उनसे कहा कि, 'हमने संघ में अखंड हिंदुस्तान पर विश्वास किया था, हम भारत विभाजन के एकदम विरुद्ध थे. अगर इसे हिंसा के लिए मनोवैज्ञानिक माहौल बनाने के रूप में समझा जा सकता है, तो मैं इसके लिए दोषी मानूंगा'. एकनाथ रानडे यहीं नहीं रुके, संघ पर आरोप लगने के बाद वो भूल गए कि आरोप कौन लगा रहा है, उनको तो जवाब देना था. आगे बोले, '1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में बाद में कितनी हिंसा हुई थी, ना जाने कितने लोग जिंदा जला दिए गए थे. इसलिए, इसी आधार पर, कांग्रेस को भी उस सारी हिंसा के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है क्योंकि उसने एक ख़ास 'मनोवैज्ञानिक माहौल' बनाया था' एकनाथ ने आगे कहा कि, 'महात्मा की हत्या के बाद, श्रीगुरुजी सहित हजारों आरएसएस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया और उन पर हत्या का आरोप लगाया गया. इसके कारण, विशेष रूप से महाराष्ट्र में, व्यापक हिंसा, लूट, आगजनी और हत्या हुई, इसी कारण, भारत सरकार भी उस सारी हिंसा के लिए ज़िम्मेदार होगी जिसने एक 'मनोवैज्ञानिक माहौल' बनाया'. बात भी सही थी कि सावरकर के भाई को हजारों की भीड़ ने लिंचिंग करके मार दिया था, हजारों चितपावन ब्राह्मण उसी तरह मारे गए थे, जैसे 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख. बिरला बोले- 'आपको अंदाजा है कि आप किससे बात कर रहे हैं सरदार पटेल सुनकर भी खामोश ही रहे लेकिन जीडी बिरला को एकनाथ रानडे का ये रवैया कतई पसंद नहीं आया. बिरला को लगा कि देख के गृहमंत्री और देश के इतने दमदार नेता सरदार पटेल के सामने कौन इतना दुस्साहस कर सकता है भला. तभी पटेल के बजाय बिरला बोले, एकनाथ की तरफ मुड़े और कहा- उम्मीद करता हूं कि आप को अंदाजा है कि आप किससे बात कर रहे हैं?' एकनाथ रानडे ने उनसे कहा कि अगर उन्होंने कुछ अनुचित कहा है, तो वे आगे कुछ नहीं कहना चाहेंगे और चलना पसंद करेंगे. उनके उठने से पहले सरदार ने उनसे कहा कि वे इस मामले पर गहराई से सोचें और फिर उनसे मिलें. अगली बार फिर दोनों की मुलाकात मसूरी में ही हुई।

सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों के विरूद्ध कार्यवाही करने अजाक्स ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) ने समाज में सौहार्द बिगाड़ने वालों के साथ अजाक्स प्रांताध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा के विरूद्ध की गई मनमानी कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम कलेक्ट्रेट पहुंचकर संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन दिया। संभागीय अध्यक्ष केबी दोहरे एवं जिलाध्यक्ष विजय कुमार पिपरोलिया ने ज्ञापन में कहा है 23 नवंबर को भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश अजाक्स के प्रांतीय अधिवेशन में नवनियुक्त प्रांताध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा आदिवासी वर्ग से आते हैं। उन्होंने सामाजिक समरसता, सद्भाव और जातिवाद उन्मूलन की दिशा में एक सकारात्मक, संवैधानिक एवं बाबा साहेब की विचारधारा पर आधारित 27 मिनट का भाषण दिया। उनका वक्तव्य रोटी-बेटी के संबंधों द्वारा समाजिक समरसता, एकता, हिंदू एकाकारता तथा जाति-पांति से ऊपर उठकर मानवता एवं संविधान को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देता है। किंतु कुछ तथाकथित समाज विरोधी तत्व, दलित एवं आदिवासी विरोधी मानसिकता रखने वाले समूह के साथ निजी स्वार्थ से प्रेरित संगठन आईएएस संतोष वर्मा के उद्बोधन को जानबूझकर, तोड़ मरोड़कर 7 सेकंड की वीडियो क्लिप बनाकर भ्रामक तरीके से सामाजिक वैमनस्य फैलाने हेतु प्रस्तुत कर रहे हैं। यह न केवल संविधान की मूल भावना समानता, बंधुत्व, सामाजिक न्याय के विपरीत है, बल्कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की गरिमा एवं प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का भी दुःसाहस है। साथ ही गंभीर चिंता यह है कि मप्र शासन द्वारा बिना उचित विचार विमर्श, तथ्यों की निष्पक्ष जांच एवं कानूनी प्रक्रिया अपनाए बिना आईएएस वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जो प्रदेश में यह संदेश देता है कि सरकार आदिवासी एवं वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशील न होकर केवल औपचारिकता निभा रही है। यह सीधे-सीधे संविधान के अनुच्छेद 14, 15(4), 16(4), 21, 38(2) एवं 46 की आत्मा के विपरीत है, जो सामाजिक न्याय, समानता एवं संरक्षण की गारंटी देते हैं। उन्होंने कहा कि प्राइवेट संस्थान एमआईटीएस में कार्यरत मशीन अटेंडेंट मुकेश मौर्य एवं बल्लभ भवन भोपाल में पदस्थ सुधीर नायक के साथ मिलकर अजाक्स संगठन की छवि धूमिल करने के साथ समाज में जातीय तनाव फैलाने एवं निजी लाभ हेतु प्रदेश में जातीय उकसाने का माहौल तैयार कर रहे हैं। मुकेश मौर्य के विरुद्ध अजाक्स द्वारा 17,95,000 के गबन का मामला दर्ज करने के लिए एसपी तथा पुलिस थाना टीटी नगर में आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की कार्यवाही प्रचलन में है। ऐसे में इन व्यक्तियों द्वारा अजाक्स के नाम का दुरुपयोग कर समाजिक वैमनस्य फैलाना गंभीर अपराध है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते न्यायपूर्ण समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश के एससी, एसटी समाज के लोग लोकतांत्रिक तरीके से सड़कों पर उतरने को बाध्य होंगे। ज्ञापन में प्रांतीय सचिव होतम सिंह मौर्य, प्रांतीय संयुक्त सचिव शैलेंद्र प्रताप कदम, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव, संभागीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण जाटव, जिला उपाध्यक्ष एनडी मौर्य, वीरेंद्र जयंत, राममूर्ति सेंगर,सीताराम डण्डौतिया, बलवीर सिंह हाकिम सिंह चौकोटिया, सीमा सोलंकी रजनी कुशवाह, अंकिता धाकड बलबंत मिलन, आलोक बौद्ध, लक्ष्मण सिंह, जितेंद्र कंसोटिया,विजय रेंगर, यूएस दोहरे, राजेंद्र आर्य,जीएस गौतम, विनोद दोहरे, उमाशंकर दोहरे, राकेश पारया, प्रभाकर खटीक, जनवेद जाटव, बबीता धाकड आदि उपस्थित रहे।

अजाक्स संघ की ये है प्रमुख मांगे

अजाक्स के प्रांताध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा के विरुद्ध जारी कारण बताओ नोटिस को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। समाज में जातीय तनाव एवं वैमनस्य फैलाने वाले व्यक्तियों, समूहों के विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के अंतर्गत दंडात्मक कार्यवाही की जाए। शासन एक स्वतंत्र समिति गठित करें, जो इस प्रकरण की जांच करें और यह सुनिश्चित करें कि आदिवासी एवं वंचित वर्ग के वरिष्ठ अधिकारियों को बिना कारण प्रताड़ित न किया जाए। सामाजिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता के संवर्धन हेतु अंतर्जातीय विवाह (अनुलोम-विलोम विवाह) योजना को अधिक सशक्त रूप में लागू किया जाए।

रांची के मैदान पर विराट रन नहीं आग बरसाते हैं

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार है। तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रांची में होगा। साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। यही वजह है कि भारतीय टीम पर वनडे सीरीज से पहले काफी दबाव है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों की भिड़ंत होगी। 2013 से इस मैदान पर इंटरनेशनल क्रिकेट खेली जा रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मुकाबला हुआ था। यह विराट कोहली के सबसे फेवरेट मैदानों में से एक है।

रांची में विराट का औसत 192 का

विराट कोहली ने रांची में अभी तक 5 वनडे मैच खेले हैं। चार पारियों में उनकी बैटिंग आई है और इसमें 384 रन बनाए हैं। वह इस मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अन्य किसी बल्लेबाज के नाम 150 रन भी नहीं हैं। रांची के मैदान पर विराट कोहली के बल्ले से शतक और एक फिफ्टी निकली है। उनका औसत 192 जबकि स्ट्राइक रेट 109 का है। इस मैदान पर उनकी सबसे छोटी पारी 45 रनों की है। विराट कोहली ने अपने करियर में 59 मैदानों पर एक से ज्यादा मैच खेले हैं। उनका सबसे अच्छा औसत रांची में ही है। गुवाहाटी के बारसापारा और साउथ अफ्रीका के न्यूलैंड के मैदान पर उन्होंने वनडे में 126 की औसत से रन बनाए हैं।

. साउथ अफ्रीका को हरा चुका भारत

विराट कोहली के अलावा इस मैदान पर वनडे में सिर्फ श्रेयस अय्यर के नाम शतक है। हालांकि वह चोटिल चल रहे हैं और इसी वजह से सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं। अय्यर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही यहां शतकीय पारी खेली थी। इस मैदान पर आखिरी वनडे मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2022 में हुआ था। उस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया था।

एशेज : 'पिंक बॉल' टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 14 सदस्यीय टीम घोषित, नहीं खेलेंगे पैट कमिंस

मेलबर्न, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया।

कप्तान पैट कमिंस लगातार दूसरे मैच में नहीं खेल सकेंगे। पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पर्थ में सीरीज का पहला टेस्ट में नहीं खेले थे। इस लो-स्कोरिंग मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई ने सिर्फ दो दिनों के अंदर अपने नाम किया था। इस तेज गेंदबाज को पूरी तरह से फिट होने के लिए दो हफ्तों का समय दिया गया है। 32 वर्षीय पैट कमिंस टीम के साथ

ब्रिस्बेन जाएंगे। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ब्रेंडन डॉगेट, मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ अपनी जगह बनाए रख सकते हैं। ब्रेंडन डॉगेट ने पर्थ में टेस्ट डेब्यू करते हुए 5 विकेट हासिल किए थे। इस टीम में अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा को शामिल किया गया है। ख्वाजा पीठ में ऐंठन के कारण पर्थ में खेल गए सीरीज के पहले मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सके थे

'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' के मुताबिक, कमिंस ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में जमकर ट्रेनिंग की। उन्होंने मंगलवार को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के क्रिकेट सेंट्रल हेडक्वार्टर में ट्रेनिंग सेशन किया। इस दौरान पिंक बॉल से स्टीव स्मिथ को एक घंटे से ज्यादा समय तक पूरी गति से बॉलिंग की।

ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को गाबा में अपना पहला ट्रेनिंग सेशन करेगी, जिसके बाद सोमवार को एक सेशन होगा। पर्थ स्टेडियम में खेले गए सीरीज के शुरुआती मैच में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में महज 172 रन पर सिमट गई। इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7 विकेट हासिल किए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में महज 132 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के पास यहां से 40 रन की लीड थी, लेकिन मेहमान टीम दूसरी पारी में सिर्फ 164 रन पर सिमट गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का टारगेट मिला, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसेर मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

दिया यादव ने ऑक्शन में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने एक ऐसी खिलाड़ी पर दांव खेला है जिसकी उम्र महज 16 साल है लेकिन उसके पास टैलेंट कमाल है. बात हो रही है दिया यादव की जिन्हें पहली बार महिला प्रीमियर लीग में खेलने का मौका मिलेगा. दिया ने ऑक्शन में बिकते ही इतिहास रच दिया है क्योंकि वो इस लीग की सबसे उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं. दिया की उम्र सिर्फ 16 साल है और वो हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं. जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी ने महज 13 साल की उम्र में आईपीएल में खेलकर इतिहास रचा था, अब वैसा ही मौका 16 साल की दिया के पास है.

दिया यादव कौन हैं?

दिया यादव हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं. हरियाणा की ये बल्लेबाज उम्र में छोटी हैं लेकिन अच्छी-अच्छी गेंदबाजों की वो लाइन लेंग्थ बिगाड़ देती हैं. दिया महज 14 साल की उम्र में शतक लगाकर सुर्खियों में आई थी. इस खिलाड़ी ने वीमेंस अंडर 15 वनडे कप ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ नाबाद 124 रन बनाकर कमाल किया था.

दिया ने टी20 ट्रॉफी में दिखाया दम

हाल ही में दिया सीनियर वीमेंस इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेल रही थीं जहां उनका प्रदर्शन अच्छा रहा. दिया ने 5 पारियों में 30.20 की औसत से 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 150 के करीब रहा. सबसे अच्छे स्ट्राइक रेट के मामले में वो तीसरे नंबर पर रहीं और सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में ये खिलाड़ी दूसरे स्थान पर रही. दिया यादव के टी20 करियर की बात करें तो इस खिलाड़ी ने 19 पारियों में लगभग 40 की औसत से 590 रन बनाए हैं. उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले हैं.

इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है: रुक्मिणी वसंत

चमकती रोशनी, तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ – एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है – एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअलः जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना – वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं – यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, 'जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ।

सोहा अली खान ने घर पर उगाई माइक्रोग्रीन्स, वीडियो पोस्ट कर दी जानकारी

अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल को लेकर काफी सक्रिय रहती हैं। सोशल मीडिया पर वह अपनी हेल्दी डाइट से जुड़ी बातों को अपने फैंस से शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने घर में हेल्दी माइक्रोग्रीन्स उगाना शुरू किया है।

अभिनेत्री ने गुरुवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उनके घर के गार्डन में हरे-भरे माइक्रोग्रीन्स (बहुत छोटे-छोटे अंकुरित पत्तेदार साग) लगे दिख रहे हैं। ये पौधे अभी कुछ इंच ही ऊंचे हैं, लेकिन इनमें पोषक तत्व बहुत ज्यादा होते हैं। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने लिखा, 'मैं अपने माइक्रोग्रीन्स उगा रही हूं, जल्द इसके बारे में बताऊंगी। माइक्रोग्रीन्स को आम बोलचाल की भाषा में 'अंकुरित साग' कहते हैं। यह एक तरह के छोटे, नव विकसित पौधे होते हैं, जो सब्जियों, अनाज और हर्ब्स (जड़ी-बूटियों) से उगाए जाते हैं। इन्हें उगाने के 7-21 दिन के बाद काटा जाता है।

आयुष्मान खुराना-रश्मिका मंदाना की फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हुआ एंड

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थामा दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा सिनेमाघरों पर दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थी. इस फिल्म को लोगों ने बहुत पसंद किया है. दिवाली से लेकर अब तक इस फिल्म को पसंद किया जा रहा था मगर अब बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का दम निकल गया है. थामा का फाइनल वर्ल्डवाइड कलेक्शन भी सामने आ गया है. पहले दिन शानदार कमाई करने के बाद ये फिल्म बहुत जल्दी ही 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई थी.

पहले दिन की थी जबरदस्त कमाई

थामा के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इसने पहले दिन 23 करोड़ का कलेक्शन किया था. थामा मंगलवार के दिन रिलीज हुई थी. ये एक्सटेंडिड वीक था. जिस वजह से 10 दिन में फिल्म ने 100 करोड़ का कलेक्शन कर लिया था. उसके बाद से फिल्म की कमाई में गिरावट आना शुरू हो गई थी.

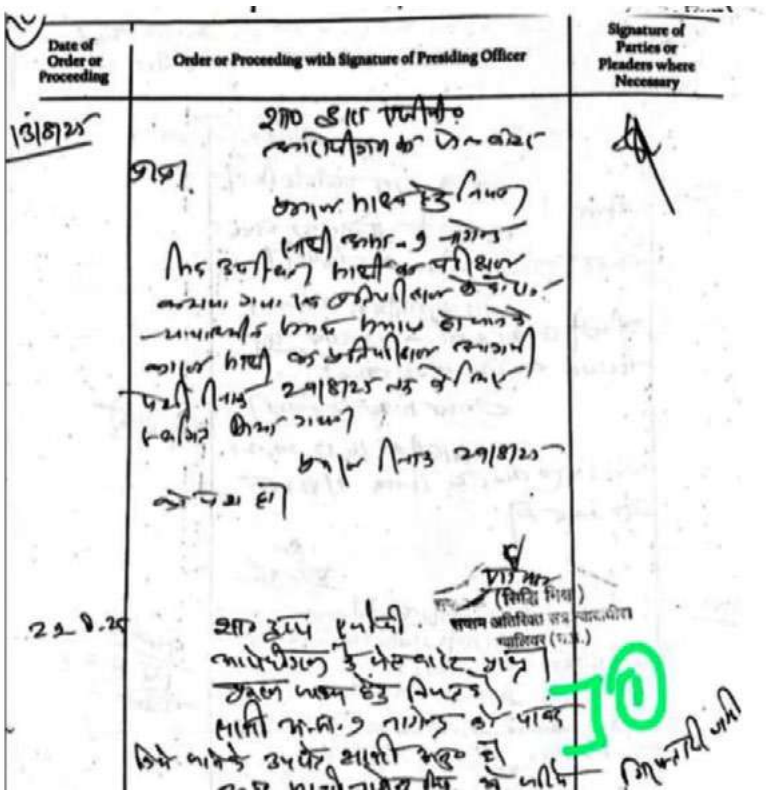

Date of Order or Proceeding	Order or Proceeding with Signature of Presiding Officer	Signature of Parties or Pleaders where Necessary

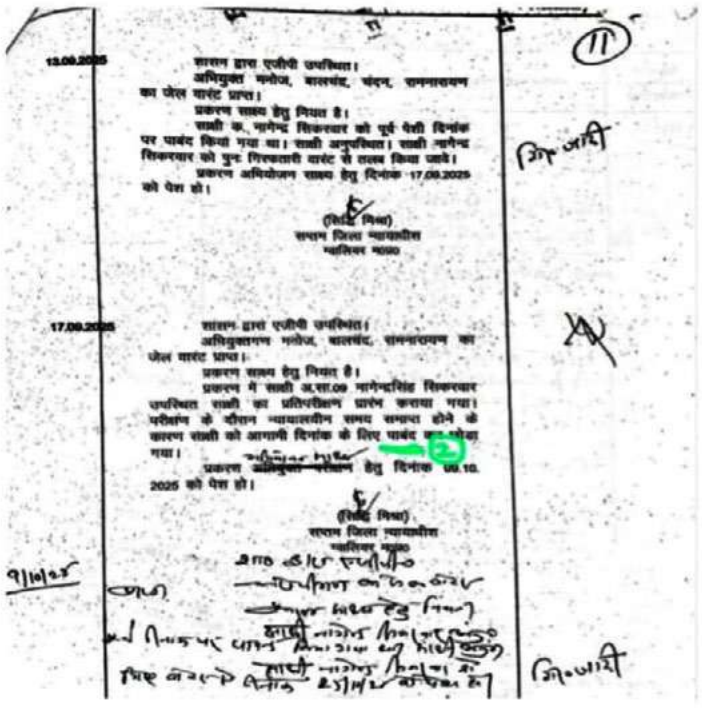

अखिर कब मिलेगा ? मृतक बेटी मुस्कान और उनके परिवार को न्याय

एक साल से दर-दर भटक रहा परिवार

क्या बीजेपी सरकार मे बेटी को मिल सकेगा न्याय ?

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- मुस्कान आर्य की मौत के मामले में मृतका के परिजनों को न्याय का इंतजार है, लेकिन तत्कालीन जांच अधिकारी और सीएसपी नागेंद्र सिकरवार के अदालत में पेशी पर ना पहुंचने से मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा है। दरअसल मुस्कान की मौत के मामले जांच अधिकारी रहे सीएसपी नागेंद्र सिंह ने जांच में लीपापोती कर पूरा केस मृतका के ससुराल पक्ष के फेवर में करने की कोशिश की। उन पर केस को कमजोर करने के लिए मुस्कान के ससुराल वालों से घूस के तौर पर मोटी रकम लेने का भी आरोप है। फरियादी पक्ष की तरफ से इस मामले में जब जांच अधिकारी की जांच पर सवाल उठाए और जांच अधिकारी पर मामले की लीपापोती करने के आरोप लगाए और तत्कालीन पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल आईजी ग्वालियर अरविंद सक्सेना को ज्ञापन देकर इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की थी। परिजनों की इस मांग पर आईजी के निर्देश पर एसपी ने सीएस पी नागेंद्र सिंह की जगह डीएसपी संतोष पटेल को जांच का जिम्मा सौंपा। की जाँच में पूर्व अनुविभागीय अधिकारी सीएसपी नागेन्द्र सिकरवार की लापरवाही एवं गवाह पेशी से लगातार अनुपस्थिति के कारण न्याय में हो रही देरी | मृतका मुस्कान आर्या प्रकरण में प्रारंभिक जाँच अधिकारी के रूप में सीएसपी नागेन्द्र सिकरवार पदस्थ थे। तत्कालीन डीएसपी सन्तोष पटेल द्वारा जाँच को दोबारा शुरू से किए जाने पर यह स्पष्ट हुआ कि मामला हत्या का है। उन्होंने साक्ष्यों के आधार पर हत्या का मुक़दमा दर्ज किया , नागेन्द्र सिकरवार पूर्व में नहीं जोड़ रहे थे। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। परंतु पिछले 5 महीनों से अधिक समय से न्यायालय द्वारा दी गई बार-बार दी गई तारीखों के बावजूद गवाह के रूप में बुलाए जाने पर भी ष्टस्कनागेन्द्र सिकरवार हर तारीख को कोई न कोई बहाना बनाकर उपस्थित नहीं हो रहे हैं। यह स्पष्ट है कि गवाह नागेन्द्र सिकरवार की अनुपस्थिति के कारण बार-बार गिरफ्तारी वारंट/बॉन्ड की कार्यवाही दर्ज की गई है। नागेंद्र सिंह की लगातार अनुपस्थिति के कारण जहां न्याय प्रक्रिया में अत्यधिक विलंब हो रहा है, वहीं फरियादी परिवार को मानसिक तनाव एवं पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। खबर यह भी है कि पूर्व जांचकर्ता अधिकारी नागेंद्र सिंह इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से अंतिम जमानत हासिल करने के प्रयास कर रहे हैं। इस पूरे मामले से जुड़े सूत्रों का कहना - है कि मध्य प्रदेश सरकार के एक कैबिनेट मंत्री का भी इस मामले में पुलिस पर दबाव है। क्योंकि आरोपी परिवार की कैबिनेट मंत्री से नजदीको बताई जा रही है।

घटना का विवरण संक्षेप में – मृतका मुस्कान आर्य के परिजनों का कहना है कि उसका विवाह 5 मई को चंदन आर्य के साथ हिंदू रीति रिवाज के अनुसार हुआ था। विवाह के दो-तीन महीने बाद ही मुस्कान के पति चंदन आर्य, ससुर बालचंद आर्य, सास आशा आर्य, जीजा मनोज आर्य तथा मामा ससुर प्रेम नारायण आर्य ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। तमाम समझाइश के बाद भी उसके ससुरालीजन नहीं माने और उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। इसी बीच 24 नवंबर को उन्हें चंदन ने फोन कर बताया कि मुस्कान की तबीयत खराब है। सूचना मिलते ही जब वह उसकी ससुराल पहुंचे पहुंचे तो देखा कि मुस्कान के पूरे शरीर पर चोटों के निशान थे एवं सिर से खून बह रहा था। मायके पक्ष के लोग उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां 26 नवंबर 2024 को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों ने सीबीआई जांच की भी की थी मांग- मृतका के परिजनों का कहना है कि पुलिस की उदासीनता की वजह से ही सीबीआई जांच की भी की और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग कर रहे हैं कि केस से जुड़े हुए सभी पहलुओं को ध्यान मे रखकर लगातार सीबीआई जांच की मांग भी परिजन कर रहे हैं।

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

शहरों में छिपे माओवाद के समर्थक

देश के सामने माओवाद एक लंबे समय से गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती बना हुआ है, लेकिन अब यह समस्या जंगलों से निकलकर शहरों के बीच भी अपना जाल फैला रही है। बीते दिनों दिल्ली में जो घटना सामने आई, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि माओवादी विचारधारा को सिर्फ जंगलों में छिपे गुरिल्ला लड़ाके ही नहीं, बल्कि शहरों में मौजूद कुछ बुद्धिजीवी, एक्टिविस्ट और स्वयंभू पर्यावरण प्रेमी भी परोक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं। वायु प्रदूषण के नाम पर हुए प्रदर्शन का अचानक माओवादी सरगना माडवी हिड़मा के समर्थन में बदल जाना यह दिखाता है कि अर्बन नक्सलियों का नेटवर्क कितना सक्रिय और खतरनाक है।

दिल्ली में एक समूह ने जहां प्रदूषण के खिलाफ नारे लगाए, वहीं अचानक 'माडवी हिड़मा अमर रहे' के नारे गूंजने लगे। जब पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारी हिंसक हो उठे और पेपर स्प्रे तक का इस्तेमाल किया। करीब 15 लोगों को हिरासत में लिया गया। यह घटना बताती है कि अर्बन नक्सल माओवादियों की गतिविधियों को वैचारिक संरक्षण देने में जुटे हुए हैं और यह चिंता का विषय है। सुरक्षाबलों की बढ़ती सक्रियता के चलते माओवादियों की रीढ़ टूटने लगी है। बस्तर इलाके में पिछले कुछ हफ्तों में ही 2 करोड़ 8 लाख के इनामी 69 hardcore नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लगातार स्पष्ट कर चुके हैं कि मार्च 2026 तक देश से माओवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया जाएगा। यही कारण है कि जंगलों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में सक्रिय अर्बन नक्सली भी बौखलाए हुए नजर आ रहे हैं। माओवादी हिंसा की क्रूरता किसी से छिपी नहीं है। इनका दावा है कि वे आदिवासियों के हितों की रक्षा करते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि माओवादियों ने वर्षों से आदिवासियों को ही सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। जो आदिवासी इनका समर्थन नहीं करते, उन्हें पुलिस का मुखबिर बताकर मौत के घाट उतार दिया जाता है। इसके बावजूद वामपंथी विचारधारा से प्रभावित कुछ शहरी बुद्धिजीवी इन हिंसक माओवादियों को वैचारिक ढाल प्रदान करने में लगे रहते हैं और सुरक्षा बलों के अभियानों को मानवाधिकार के नाम पर कटघरे में खड़ा करते हैं। हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों ने माओवादियों पर निर्णायक प्रहार किए हैं। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में हुए ऑपरेशन में डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों का मारा जाना सुरक्षा बलों की बड़ी उपलब्धि रही। बसव राजू कभी इंजीनियरिंग कॉलेज का छात्र था, लेकिन बाद में माओवादी संगठनों से जुड़कर कई खूनी हमलों में शामिल हो गया। ऐसे संगठनों के प्रति शहरों में मौजूद समर्थन तंत्र ही इन्हें लंबे समय तक टिकाए रखता है। एक समय माओवादी हिंसा देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती मानी जाती थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान भी इसके खिलाफ कड़े कदम उठाए गए थे, लेकिन सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद ने इन अभियानों का विरोध किया, जिसके चलते रणनीति ढीली पड़ गई। इसका सीधा फायदा माओवादी संगठनों को मिला और वे फिर मजबूत होते चले गए। स्थिति यहां तक पहुंच गई कि सरगना किशनजी कहने लगा कि सरकार से बातचीत तभी होगी, जब सुरक्षा बल अपने हथियार डाल देंगे।

आज माओवाद जरूर कमजोर हुआ है।

एयर प्यूरीफायर से तुरंत हटे 18% जीएसटी

अरविंद केजरीवाल की केंद्र सरकार से मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से एक खास अपील की है। उन्होंने एयर प्यूरीफायर और वॉटर प्यूरीफायर पर लगाए गए 18 प्रतिशत जीएसटी को तत्काल हटाने की अपील की है। केजरीवाल का कहना है कि जहरीली हवा से जूझ रही जनता को साफ हवा और साफ पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी भारी कर देना सरासर अन्याय है।

केजरीवाल ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई शहरों में वायु प्रदूषण जानलेवा स्तर तक पहुंच चुका है। ऐसी स्थिति में लोग अपने परिवार को प्रदूषण से बचाने के लिए एयर प्यूरीफायर खरीदना चाहते हैं, लेकिन इस आवश्यक उपकरण पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगने के कारण उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार प्रदूषण का कोई समाधान नहीं दे पा रही, तो कम से कम लोगों को अपनी सुरक्षा के उपाय लेने से क्यों रोका जा रहा है।

केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि साफ हवा और साफ पानी हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने में असमर्थ है, तो कम से कम उन उपकरणों पर कर का बोझ नहीं बढ़ाना चाहिए जो लोग स्वयं अपने परिवार की रक्षा के लिए खरीदते हैं। वॉटर प्यूरीफायर पर भी इसी तरह का कर लगना एक और उदाहरण है, जहां बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लोगों को कर चुकाना पड़ रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से स्पष्ट अपील की है कि एयर प्यूरीफायर और वॉटर प्यूरीफायर पर लगे 18 प्रतिशत जीएसटी को तुरंत समाप्त किया जाए। उनका कहना है कि प्रदूषण से निपटने का समाधान देने में असमर्थता को स्वीकार करना होगा, लेकिन इसके साथ ही जनता पर अनावश्यक कर लगाकर उनकी परेशानी को और बढ़ाना उचित नहीं है।

यह मांग उस समय सामने आई है जब दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के अधिकांश शहरों में सर्दियों के मौसम में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर को पार कर जाता है।

दिल्ली की झीलें संवरेंगी

● जलस्तर भी बढ़ेगा; जल बोर्ड ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली जल बोर्ड ने शुद्ध किए हुए अपशिष्ट जल का बेहतर उपयोग करने के लिए एक नई योजना बनाई है। इस योजना के तहत इस जल को केवल पार्कों और फार्महाउसों में सिंचाई के लिए ही नहीं, बल्कि झीलों, तालाबों और भूजल को फिर से भरने के काम में भी लगाया जाएगा। इसका मकसद शहर के घटते भूजल स्तर को रोकना और प्राकृतिक जल स्रोतों को फिर से जीवंत करना है।

कितना अपशिष्ट जल हो रहा है इस्तेमाल?

दिल्ली में रोजाना 701 मिलियन गैलन शुद्ध किया हुआ अपशिष्ट जल तैयार होता है, लेकिन इसका केवल 125 मिलियन गैलन ही वापस इस्तेमाल हो पाता है। बाकी का ज्यादातर हिस्सा यमुना नदी में छोड़ना पड़ता है। इसका कारण यह है कि 1994 के यमुना जल बंटवारे के समझौते के मुताबिक, 267 मिलियन गैलन शुद्ध जल को नदी के प्रवाह को बनाए रखने के लिए नदी में ही डालना जरूरी है।

नई परियोजनाओं से होगा बेहतर उपयोग

कोरोनेशन पिलर के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से रोजाना करीब 100 मिलियन गैलन शुद्ध जल मिलता है। इसमें से अभी सिर्फ 21.5 मिलियन गैलन का ही बागवानी में इस्तेमाल हो रहा है। बाकी बचे 78.5 मिलियन गैलन जल को तीन नई परियोजनाओं के तहत इस्तेमाल करने की योजना है। इनमें से 28.5 मिलियन गैलन जल को कोरोनेशन पिलर के मार्शलैंड को भरने, 30 मिलियन गैलन को जहांगीरपुरी नाले के जरिए भूजल को पुनर्भरित करने और 20 मिलियन गैलन को भलस्वा झील व आसपास के गोल्फ कोर्स के लिए भेजा जाएगा। इन योजनाओं को दिल्ली सरकार से मंजूरी मिल चुकी है।

झीलों और तालाबों को मिलेगा नया जीवन

इसके अलावा, सात बड़े जलाशयों को पुनर्जीवित करने के लिए 75 मिलियन गैलन शुद्ध जल का उपयोग किया जाएगा। इसमें संजय झील, स्मृति वन, रोहिणी झील नंबर एक और दो, एनटीपीसी इको पार्क तथा ओखला झील शामिल हैं। एनटीपीसी इको पार्क की परियोजना पहले से ही 77 प्रतिशत पूरी हो चुकी है, जबकि बाकी परियोजनाएं दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएंगी।

फार्महाउसों में भी होगा शुद्ध जल का उपयोग फार्महाउसों के लिए भी शुद्ध अपशिष्ट जल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। मेहरौली, कपाशेरा, नरेला और ओखला जैसे इलाकों में फार्महाउसों को यह जल दिया जाएगा। इससे बागवानी और हरियाली के लिए बोरवेलों और भूजल पर निर्भरता कम हो जाएगी। साथ ही, यमुना विहार, द्वारका, नजफगढ़, केशोपुर, रिथाला और कोंडली जैसे कई इलाकों में भूजल को रिचार्ज का काम भी चल रहा है।

3 बड़े फ्लाईओवर की होगी मजबूती से जांच

● डेढ़ साल में पूरा होगा काम ● कई साल पुराने हैं ये फ्लाईओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
साउथ दिल्ली के कुछ बड़े फ्लाईओवरों की मजबूती की जांच शुरू हो गई है। लोक निर्माण विभाग ने पुराने आरटीआर फ्लाईओवर, आईआईटी-अफ्रीका एवेन्यू चौराहे के फ्लाईओवर और मोदी मिल फ्लाईओवर की पूरी जांच और मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

ये फ्लाईओवर अब काफी पुराने हो चुके हैं। मोदी मिल और अफ्रीका एवेन्यू वाले फ्लाईओवर करीब 24 साल पुराने हैं, जबकि आरटीआर फ्लाईओवर भी कम से कम 15 साल से खड़ा है। इनमें समय के साथ कई खामियां आ गई हैं। इनकी जोड़ों में दरारें पड़ गई हैं, कंक्रीट टूटने लगा है और कुछ जगहों पर खालीपन भी दिख रहा है। इसलिए इनकी पूरी जांच करके मरम्मत का काम होगा।

मरम्मत का मुख्य काम जोड़ों को ठीक करना और इलास्टोमेरिक बेयरिंग में बदलना है, जो फ्लाईओवर को नीचे के हिस्से से जोड़े रखते हैं। ये बेयरिंग भारी ट्रैफिक के बोझ, कंपन और तापमान के बदलाव को सहन करने का काम करते हैं। साथ ही, कंक्रीट में जो खाली जगहें या छेद बन गए हैं, उन्हें भी भरना होगा ताकि फ्लाईओवर की मजबूती बनी रहे।

इस काम को चार चरणों में किया जाएगा। पहले तीन महीने में इन फ्लाईओवरों की गहन जांच होगी। इसके लिए कई तरह के टेस्ट किए जाएंगे, जैसे हैमर टेस्ट और साउंड टेस्ट। इसके बाद यह तय होगा कि मरम्मत के लिए क्या-क्या काम करने हैं। फिर विस्तृत योजना बनेगी और अगले एक साल में मरम्मत का काम होगा। पूरी प्रक्रिया डेढ़ साल में पूरी हो जाएगी।

इसके अलावा लाला लाजपत राय मार्ग पर बरापुल्लाह नाले के ऊपर नाले के लिए ढलान भी बनाया जाएगा। न्यू अशोक नगर के पास, हॉलीडे इन चौराहे और मेट्रो स्टेशन के बीच यह काम होगा। यहां नाले के पास होने के कारण पानी के बहाव को ध्यान में रखते हुए कल्वर्ट का डिजाइन किया जाएगा। इस कल्वर्ट से न सिर्फ गाड़ियों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए भी फुटपाथ बनेंगे।

विभाग ने जांच और मरम्मत के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है और दिसंबर तक बोली का काम पूरा हो जाएगा। इस जांच और मरम्मत से इन फ्लाईओवरों की उम्र बढ़ जाएगी और इन पर चलने वाले लोगों के लिए सुरक्षा भी सुनिश्चित हो जाएगी। ये फ्लाईओवर रोज लाखों गाड़ियों को सहारा देते हैं, इसलिए इनकी मजबूती बहुत जरूरी है।

लोगों से चंदा लेकर यमुना को स्वच्छ बनाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार लोगों से चंदा लेकर दिल्ली-एनसीआर में यमुना को स्वच्छ बनाने की दिशा में कार्य करेगी। इसके लिए जल बोर्ड द्वारा यमुना जीर्णोद्धार कोष बनाया जा रहा है। जल बोर्ड के सीईओ की तरफ से इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। शहरी विकास विभाग की तरफ से इस प्रस्ताव को जल्द सरकार के समक्ष रखा जाएगा। सरकार से मंजूरी मिलने पर यह सोसाइटी रजिस्ट्रेशन होगी। इसमें सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी) फंड एवं लोगों से चंदा लेकर यमुना के जीर्णोद्धार में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, दिल्ली जल बोर्ड 1998 एक्ट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिसके तहत वह सीधे किसी से चंदा ले सके। अधिकारियों की बैठक में यह तय किया गया कि वह सोसाइटी का रजिस्ट्रेशन कर यमुना साफ करने के लिए चंदा ले सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि इस कोष में आने वाली राशि से सीवेज व्यवस्था में सुधार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, तालाब बनाना और यमुना जीर्णोद्धार के लिए लोगों को जागरूक करना आदि काम किया जाएगा। इस राशि से बारापुला, शाहदरा, गाजीपुर और नजफगढ़ नाले के पानी को यमुना में जाने से पहले शोधित किया जा सकेगा। यमुना किनारे बॉयो डायवर्सिटी पार्क, हरित क्षेत्र बनाने एवं सीवेज शोधित संयंत्र की क्षमता को 1000 एमजीडी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सोसायटी के नाम पर एक बैंक खाता खोला जाएगा ताकि इसमें आने वाली प्रत्येक राशि को सोसायटी के उद्देश्य पर पारदर्शिता से खर्च किया जा सके। यह सोसायटी नो प्रॉफिट नो लॉस के सिद्धांत पर काम करेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा में श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगली जीवोत्तम मठ के 550वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित किया

यह गोवा की अनूठी विशेषता है - कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव के बावजूद अपने सार को बचाए रखा है और समय के साथ खुद को फिर से जीवंत भी किया है; इस यात्रा में परतगली मठ जैसी संस्थाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई है। आज, भारत एक अद्भुत सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है, अयोध्या में राम मंदिर का जीर्णोद्धार, काशी विश्वनाथ धाम का भव्य कायाकल्प और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार - ये सभी हमारे राष्ट्र के जागरण को दर्शाते हैं, जो अपनी आध्यात्मिक विरासत को नई शक्ति के साथ उभार रही है। आज का भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान को नए संकल्प और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज गोवा में श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगली जीवोत्तम मठ के 550वें वर्ष समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पावन अवसर पर उनका मन गहन शांति से भर गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि संतों के सान्निध्य में बैठना अपने आप में एक आध्यात्मिक अनुभव है। यह देखते हुए कि यहाँ उपस्थित भक्तों की बड़ी संख्या इस मठ की सदियों पुरानी जीवंत शक्ति को और बढ़ा रही है, श्री मोदी ने कहा कि वह आज इस समारोह में लोगों के बीच उपस्थित होकर स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने बताया कि यहाँ आने से पहले उन्हें राम मंदिर और वीर विट्ठल मंदिर के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि वहाँ की शांति और वातावरण ने इस समारोह की आध्यात्मिकता को और प्रगाढ कर दिया है।

श्री मोदी ने कहा, "श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगली जीवोत्तम मठ अपनी 550वीं वर्षगांठ मना रहा है, जो एक अत्यंत ऐतिहासिक अवसर है। विगत 550 वर्षों में इस संस्था ने अनेक उथल-पुथल, बदलते युग, बदलते समय और देश व समाज में अनेक परिवर्तनों का सामना किया है।